अम्बे तू है जगदम्बे काली आरती गीत

अम्बे तू है जगदम्बे काली आरती गीत

अम्बे तू है जगदम्बे काली,
जय दुगे खप्पर वाली ।
तेरे ही गुण गाये भारती,
ओ मैया हम सब उतरें, तेरी आरती ॥

तेरे भक्त जनो पर,
भीर पडी है भारी माँ ।
दानव दल पर टूट पडो,
माँ करकेससिंह सवारी ।
सौ-सौ ससिंहो से बलशाली,
अष्ट भुजाओ वाली,
दुष्टो को पलमे सिंहारती ।
ओ मैया हम सब उतरें, तेरी आरती ॥

अम्बे तू है जगदम्बे काली,
जय दुगे खप्पर वाली ।
तेरे ही गुण गाये भारती,
ओ मैया हम सब उतरें, तेरी आरती ॥

माँ बेटे का है इस जग मे,
बडा ही निमल ाता ।
पूत - कपूत सुे है पर ि,
माता सुी कुमाता ॥

सब पे करूणा दरसाे वाली,
अमृत बरसाे वाली,
दुखखयो केदुखडे निवारती ।
ओ मैया हम सब उतरें, तेरी आरती ॥

अम्बे तू है जगदम्बे काली,
जय दुगे खप्पर वाली ।
तेरे ही गुण गाये भारती,
ओ मैया हम सब उतरें, तेरी आरती ॥

नही मांगते धन और दौलत,
न चांदी न सोना माँ ।
हम तो मांगे माँ तेरे मन मे,

इक छोटा सा कोना ।।

सबकी बबगडी बनाने वाली,
लाज बचाने वाली,
सततयो केसत को सवाि◌ंरती ।
ओ मैया हम सब उतरें, तेरी आरती ।।

अम्बे तू है जगदम्बे काली,
जय दुगे खप्पर वाली ।
तेरे ही गुण गाये भारती,
ओ मैया हम सब उतरें, तेरी आरती ।।

----- Addition ----
चरण शरण मे खडे तुम्हारी,
ले पूजा की थाली ।
वरद हस्त सर पर रख दो,
मॉ सकंट हरि वाली ।
मॉ भर दो भक्तत रस प्याली,
अष्ट भुजाओ वाली,
भततो केकारज तू ही सारती ।
ओ मैया हम सब उतरें, तेरी आरती ।।

अम्बे तू है जगदम्बे काली,
जय दुगे खप्पर वाली ।
तेरे ही गुण गाये भारती,
ओ मैया हम सब उतरें, तेरी आरती ।।